

कैथल में लहराएगा सबसे ऊंचा व विशाल तिरंगा

सारीपल तिरा, कैथल

भारत की आन-बान और शान का प्रतीक तिरंगा जब कैथल में लहराएगा तो एक नया रिकार्ड बनेगा। यहाँ फहराया जाने वाला तिरंगा पूरे हिंदुस्तान में सबसे ऊंचा व बड़ा होगा। 30 लाख रुपये की लागत से तैयार होने वाले इस झंडे के साइड 4 फुट पारिधि वाले 12 टन वजन की पोल की लंबाई 206 फीट होगी जहाँ इस पर लहराया जाने वाला तिरंगा 40 किलोग्राम वजनी तथा 72 फुट लंबा और 48 फुट चौड़ा होगा। स्थल बात यह की है जहाँ आमूल पर तिरंगे को फहराने में 30 सेकंड का समय लगता है वहीं मोटर से फहराने में उतरे जाने वाले इस विशाल तिरंगे को फहराने में 5 मिनट का समय लगेगा। इस विज्ञानकाय तिरंगे का रिकार्ड गिनीज बुक में भी दर्ज होगा।

कैथल के औद्योगिक क्षेत्र की चार चतुर् लगेने वाले प्रसिद्ध धार्मिक स्थल जहाँ पर भगवान हनुमान की विज्ञानकाय 51 फुट की हनुमान मूर्ति स्थापित है, वहीं

पर यह ध्वज लहराया जाएगा। इस दिने की फहराने वाले पोल की लगाने का कार्य इस समय जोर-शोर से चल रहा है। इसके निर्माण कार्य में 6 सप्ताह का समय लगेगा। फ्लैग फरंटेशन आफ इंडिया के अध्यक्ष एवं सांसद नवीन बिंदल को देखरेख में बनाया जा रहे इस तिरंगे व पोल का निर्माण कार्य मुंबई की बजाज इलेक्ट्रिक कंपनी द्वारा किया जा रहा है।

इसका पोल इस्टेशन स्टील धनु से बनाया जा रहा है। पोल के ऊपरी सिरे पर दो लाल बत्ती भी लगाई जा रही है ताकि वायुमानी की पोल दूर से दिखाई दे। धीरे-धीरे है कि इससे पूर्व देश में विशाल तिरंगा चेन्नई में स्थापित है जिसका लंबाई करीब 145 फुट है। सांसद नवीन बिंदल ने कहा कि उनका उद्देश्य यह को एकता के सूत्र में बांधना है।

उन्होंने कहा कि तिरंगा राष्ट्र ध्यान को दर्शाने का एक जरिया है तथा इससे पूरे विराट को हफ्तों एकजुटता तथा राष्ट्रप्रेम का संदेश मिलता है। फ्लैग फरंटेशन आफ इंडिया के साईओ कर्मांडर केवी सिंह

- 72 फुट लंबा, 48 फुट चौड़ा व 40 किलो वजन का होगा ध्वज
- मोटर की सहायता से तिरंगे को फहराने और उतारने में लगेगा पांच मिनट का समय
- सबूतार और पोल बनाने में लगेगा छह सप्ताह का समय



विशाल तिरंगे को फहराने के लिए बनाए जा रहे पोल की बनाने में जुटे कर्मांडरी।

कागजरम

ने बताया कि यह तिरंग देश का सर्वाधिक ऊंचा व बड़ा तिरंगा होगा। इसे 28 फरवरी से पहले फहराया जाएगा। तिरंगे के सबूतार की आवश्यक बनाने के लिए आगरा का पत्थर लगाया जाएगा। बजाज इलेक्ट्रिक कंपनी के डिप्टी जनरल मैनेजर श्रीराम ने बताया कि इस तिरंगे के पोल की डिजाइनिंग में एक माह का समय लागू है

तथा इसके बाद ही वह साइट पर भेजा गया है। पूरी मजबूती देने के लिए इसके प्रयोग में इस्टेशन स्टील धनु का प्रयोग किया गया है।